मुगल साम्राज्य में एक अच्छी तरह से संरचित प्रशासनिक प्रणाली थी जिसमें विभिन्न अधिकारी और कर्मचारी साम्राज्य को कुशलतापूर्वक संचालित करने के लिए जिम्मेदार थे। यहां मुगल प्रशासनिक पदानुक्रम में कुछ प्रमुख अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची दी गई है:

1. बादशाह (बादशाह): मुगल सम्राट साम्राज्य में सर्वोच्च प्राधिकारी था और उसके पास राजनीतिक और धार्मिक दोनों शक्तियाँ थीं। राज्य के सभी निर्णय सम्राट के नाम पर किये जाते थे।
2. वज़ीर (प्रधान मंत्री): वज़ीर मुख्यमंत्री और सम्राट के बाद साम्राज्य का दूसरा सबसे शक्तिशाली व्यक्ति था। वे दिन-प्रतिदिन के प्रशासन की देखरेख करते थे, सम्राट को सलाह देते थे और शाही दरबार का प्रबंधन करते थे।
3. दीवान (राजस्व मंत्री): दीवान राजस्व संग्रह और वित्तीय मामलों के लिए जिम्मेदार था। वे राजस्व रिकॉर्ड रखते थे, करों का आकलन करते थे और राजकोष का प्रबंधन करते थे।
4. मीर बख्शी (सैन्य कमांडर): मीर बख्शी शाही सेना का प्रभारी था और भर्ती, पदोन्नति और सैन्य मामलों के लिए जिम्मेदार था। वे अक्सर कुलीन वर्ग में उच्च पद पर आसीन होते थे।
5. मीर समन (मुख्य प्रबंधक): मीर समन सम्राट के घर-परिवार के लिए ज़िम्मेदार था, जिसमें शाही रसोई, दरबारी मनोरंजनकर्ताओं और महल प्रशासन के विभिन्न पहलुओं का प्रबंधन शामिल था।
6. काजी (इस्लामिक जज): काज़ियों ने इस्लामी कानून चलाया और इस्लामी अदालतों की अध्यक्षता की। उन्होंने विवादों को निपटाने और इस्लामी सिद्धांतों के अनुसार न्याय सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
7. सद्र (धार्मिक प्रमुख): सद्र ने धार्मिक मामलों में एक प्रमुख स्थान रखा, धार्मिक बंदोबस्ती की देखरेख की, धार्मिक रूढ़िवादिता को बढ़ावा दिया और धार्मिक संस्थानों की देखरेख की।
8. अमीर-उल-उमरा (कुलीनों का कुलीन): अमीर-उल-उमरा सम्राट के अधीन सर्वोच्च रैंकिंग वाले कुलीन थे और अक्सर गवर्नरशिप और सैन्य कमांड सहित कई पदों पर रहते थे।
9. सूबेदार (प्रांतीय गवर्नर): सूबेदार साम्राज्य के प्रांतों या सूबों पर शासन करते थे। वे अपने क्षेत्रों में कानून और व्यवस्था बनाए रखने, राजस्व संग्रह और रक्षा के लिए जिम्मेदार थे।
10. फौजदार (जिला कमांडर): फौजदार एक प्रांत के भीतर विशिष्ट जिलों के लिए जिम्मेदार सैन्य कमांडर थे। उनके पास प्रशासनिक और कानून प्रवर्तन कर्तव्य थे।
11. कोतवाल (शहर पुलिस प्रमुख): शहरों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी कोतवाल की होती थी। उन्होंने पुलिस बल की निगरानी की, सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित की और शहरी गतिविधियों को नियंत्रित किया।
12. दीवान-ए-कोही (कृषि राजस्व अधिकारी): दीवान-ए-कोहिस ने अपने अधिकार क्षेत्र में किसानों से कृषि राजस्व (खराज) का आकलन और संग्रह किया।
13. दीवान-ए-अर्द (भूमि राजस्व अधिकारी): दीवान-ए-आर्ड्स भूस्वामियों और कृषकों से भूमि राजस्व (माल) का आकलन और संग्रह करने के लिए जिम्मेदार थे।
14. हकीम (चिकित्सक): हकीम शाही चिकित्सकों के रूप में कार्य करते थे और सम्राट और शाही परिवार के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए जिम्मेदार थे।
15. दरोगा (प्रशासक): दरोगा प्रशासक थे जो सार्वजनिक भवनों के रखरखाव, बाजारों की देखरेख और सार्वजनिक कार्यों के प्रबंधन जैसे विभिन्न कार्यों के लिए जिम्मेदार थे।
16. कारकुन्स (क्लर्क और शास्त्री): कारकुन्स ने रिकॉर्ड रखने, आधिकारिक दस्तावेजों का मसौदा तैयार करने और पत्राचार बनाए रखने जैसे प्रशासनिक कार्य किए।
17. मुंशी (सचिव): मुंशी पत्राचार, अनुवाद और प्रशासनिक कागजी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार थे, खासकर फारसी में, जो मुगल दरबार की आधिकारिक भाषा थी।

यह सूची मुग़ल साम्राज्य के प्रशासनिक ढांचे के प्रमुख अधिकारियों और कर्मचारियों का एक सिंहावलोकन प्रदान करती है। साम्राज्य के प्रशासन की विशेषता एक पदानुक्रमित प्रणाली थी जिसमें साम्राज्य के शासन और स्थिरता को बनाए रखने के उद्देश्य से अच्छी तरह से परिभाषित भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ थीं।

LEARNING
MANTRAS